लॉर्ड चेम्सफोर्ड : 1916-1921

1. होम रूल लीग आंदोलन और लखनऊ समझौता: 1916
- 1916 में बाल गंगाधर तिलक (पुणे) और एनी बेसेंट (मद्रास) द्वारा भारत में 'होम रूल लीग'
- लखनऊ समझौता (1916) → अंबिका चरण मजूमदार (कांग्रेस और मुस्लिम लीग)

2. गांधीजी के प्रारंभिक सत्याग्रह : 1917-1918
- चंपारण सत्याग्रह (1917): बिहार में नील किसानों को 'तिनकठिया प्रणाली' से मुक्ति दिलाने के लिए.
- अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918) : गांधीजी की भारत में पहली भूख हड़ताल थी
- खेड़ा सत्याग्रह (1918): यह प्रथम पूर्ण किसान सत्याग्रह

3. भारत सरकार अधिनियम (मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार) - 1919
- 1917 में भारत सचिव एडविन मॉन्टेग्यू ने 'अगस्त घोषणा' → क्रमिक रूप से उत्तरदायी सरकार की स्थापना
- प्रांतों में 'द्वैध शासन'
- भारत में पहली बार महिलाओं को (सीमित रूप में) वोट देने का अधिकार प्राप्त हुआ

4. रॉलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड: 1919
- रॉलेट एक्ट → मार्च 1919 में सर सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता
- बिना वकील, बिना अपील, बिना दलील
- जलियांवाला बाग (13 अप्रैल 1919) : ब्रिगेडियर जनरल रेजीनॉल्ड डायर

5. खिलाफत और असहयोग आंदोलन : 1919-1920
- खिलाफत आंदोलन → अली बंधुओं (शौकत अली और मोहम्मद अली)
- असहयोग आंदोलन (1 अगस्त 1920) → महात्मा गांधी के नेतृत्व में

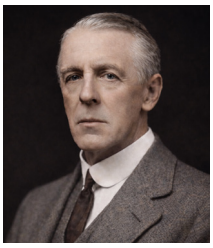

6. शिक्षा और अन्य प्रमुख घटनाएँ
- सैडलर आयोग (1917): कलकत्ता विश्वविद्यालय की समस्याओं का अध्ययन करने
- प्रथम महिला विश्वविद्यालय (1916) → धोंडो केशव कर्वे के प्रयासों से पुणे में.
- पहले भारतीय → सर एस.पी. सिन्हा को बिहार और उड़ीसा का गवर्नर नियुक्त किया गया

7. तृतीय अफगान युद्ध इसी के समय हुआ

8. अक्टूबर, 1920 में मानवेन्द्र नाथ रॉय (एमएन रॉय) ने भारतीय कम्युनिष्ठ पार्टी (ताशकंद समूह) का गठन किया।

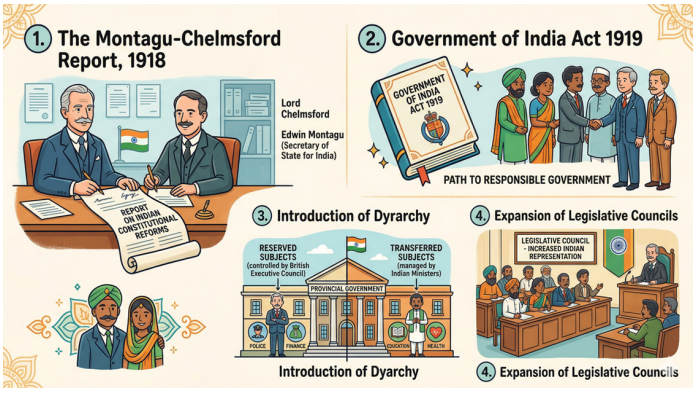

लॉर्ड रीडिंग : 1921-1926

1. 5 फरवरी 1922 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में 'चौरी-चौरा' कांड
- असहयोग आंदोलन की वापसी (1922)
- न्यायाधीश ब्रूमफील्ड ने उन्हें 6 वर्ष की कड़ी कैद की सजा सुनाई

2. स्वराज पार्टी की स्थापना (1923) → इलाहाबाद में देशबंधु चित्तरंजन दास और मोतीलाल नेहरू

3. काकोरी ट्रेन एक्शन (9 August 1925)
- 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन → सहारनपुर से लखनऊ जा रही '8 डाउन ट्रेन' को लूट लिया।
- राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी को ब्रिटिश सरकार द्वारा फांसी

4. प्रिंस ऑफ वेल्स का आगमन (1921) → देश में काले झंडों और देशव्यापी हड़ताल के साथ उनका बहिष्कार

5. मोपला विद्रोह (1921) → केरल के मालाबार तट पर मुस्लिम किसानों

6. 'रॉलेट एक्ट' (1919) और 'प्रेस एक्ट' (1910) को निरस्त
- तेज बहादुर सप्रू समिति की सिफारिशों के आधार पर

7. 23 दिसंबर 1926 → आर्य समाज के प्रमुख नेता और महान शिक्षाविद् 'स्वामी श्रद्धानंद' की हत्या

8. ली आयोग - 1923:
- भारत में 1922 से इलाहाबाद में सिविल सेवा परीक्षा की शुरुआत हुई
- लोक सेवा आयोग का गठन

9. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (1925) → डॉ. के.बी. हेडगेवार द्वारा नागपुर में

10. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (1925) → एम.एन. रॉय

लॉर्ड इरविन

1. साइमन कमीशन और लाला लाजपत राय की मृत्यु (1927-1928)
- 1919 के अधिनियम की समीक्षा के लिए नवंबर 1927 में 'साइमन कमीशन' का गठन किया गया।
- इसके सभी 7 सदस्य अंग्रेज थे, इसलिए इसे 'श्वेत कमीशन' भी कहा गया।
- 3 फरवरी 1928 को जब कमीशन मुंबई पहुँचा, तो पूरे देश में काले झंडों और "साइमन गो बैक" के नारों से
- 17 नवंबर 1928 → लाहौर में शेर-ए-पंजाब लाला लाजपत राय की मृत्यु हो गई।
- मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत की कील साबित होगी।
- 7 दिसंबर 1928 को भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और चंद्रशेखर आज़ाद ने लाहौर में ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन पी. सांडर्स की गोली मारकर हत्या कर दी थी

2. नेहरू रिपोर्ट (1928) और जिन्ना की 14 सूत्रीय मांगें (1929)

3. दीपावली घोषणा (31 अक्टूबर 1929) → ब्रिटिश सरकार का भारत के लिए अंतिम राजनीतिक लक्ष्य 'डोमिनियन स्टेटस' प्रदान करना है।

4. क्रांतिकारी गतिविधियाँ (1928-1930)
- सॉन्डर्स की हत्या (1928) : लाला लाजपत राय की मृत्यु का बदला लेने के लिए भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद और राजगुरु ने लाहौर में पुलिस अधिकारी सॉन्डर्स की गोली मारकर हत्या कर दी
- असेंबली बम कांड (1929): 8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने पब्लिक सेफ्टी बिल और ट्रेड डिस्प्यूट बिल के विरोध में दिल्ली की केंद्रीय विधानसभा में बम फेंका
- जतिन दास की शहादत (1929): राजनीतिक कैदियों के समान अधिकार की मांग को लेकर लाहौर जेल में 63 दिन की ऐतिहासिक भूख हड़ताल के बाद महान क्रांतिकारी जतिन दास शहीद हो गए।

- चटगांव शस्त्रागार लूट (1930): बंगाल में 'मास्टर दा' सूर्य सेन के नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने चटगांव के ब्रिटिश शस्त्रागार पर कब्ज़ा कर लिया।
- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 23 मार्च 1931 की शाम 7:33 बजे लाहौर सेंट्रल जेल में फाँसी दी गई थी

5. लाहौर अधिवेशन और 'पूर्ण स्वराज' (1929)

- दिसंबर 1929 में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन (रावी नदी के तट पर) हुआ।
- 'पूर्ण स्वराज' (पूर्ण स्वतंत्रता) का प्रस्ताव
- 26 जनवरी 1930 को पूरे देश में प्रथम 'स्वाधीनता दिवस' मनाया जाएगा

6. सविनय अवज्ञा आंदोलन और दांडी मार्च (1930)

- 12 मार्च 1930 को महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से अपने 78 अनुयायियों के साथ ऐतिहासिक 'दांडी मार्च' शुरू किया
- 6 अप्रैल 1930 को दांडी (गुजरात के तट) पहुँचकर गांधीजी ने प्रतीकात्मक रूप से नमक कानून तोड़ा और पूरे देश में 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' की शुरुआत कर दी
- महात्मा गाँधी को 5 मई, 1930 ई. को गिरफ्तार कर लिया गया।

7. प्रथम गोलमेज सम्मेलन (1930)

- नवंबर 1930 से जनवरी 1931 तक लंदन में पहला गोलमेज सम्मेलन आयोजित हुआ।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसका पूरी तरह से बहिष्कार किया, जिसके कारण यह सम्मेलन विफल रहा
- 'दिल्ली पैक्ट (5 मार्च 1931) → गांधीजी और लॉर्ड इरविन के बीच

8. वायसराय भवन (वर्तमान राष्ट्रपति भवन) में निवास करने वाले प्रथम व्यक्ति लॉर्ड इरविन थे

- इस भव्य इमारत के निर्माण में 17 वर्ष का समय लगा
- इसका औपचारिक उद्घाटन 1931 ई. में हुआ।
- इसके प्रमुख वास्तुकार सर एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर थे
- इसमें मुगल, राजपूत और यूरोपीय शैलियों का प्रयोग किया गया है

9. लॉर्ड वेलिंगटन : 1931-1936

1. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन → 7 सितम्बर से 1 दिसम्बर 1931
   - महात्मा गांधी → कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि
   - जनवरी 1932 → असफलता के बाद गाँधी जी ने दुबारा सविनय अवज्ञा।
2. सांप्रदायिक पंचाट (सामुदायिक पुरस्कार, 16 अगस्त 1932) → प्रधानमंत्री रेम्ज़े मैकडोनाल्ड
   - दलित वर्गों के लिए अलग निर्वाचन मंडल का प्रावधान
   - पूना पैक्ट (सितंबर 1932) → मदन मोहन मालवीय और अन्य नेताओं के प्रयासों से गांधीजी और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के बीच समझौता
3. तृतीय गोलमेज सम्मेलन (नवंबर-दिसंबर 1932)
4. कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना (1934) → आचार्य नरेंद्र देव और जयप्रकाश नारायण
5. अखिल भारतीय किसान सभा (1936) → स्वामी सहजानंद सरस्वती, लखनऊ

6. भारत सरकार अधिनियम, 1935

- प्रांतों में द्वैध शासन समाप्त
- केंद्र में द्वैध शासन प्रणाली की शुरुआत
- अखिल भारतीय संघ
- 1 अप्रैल 1937 को बर्मा का विभाजन → सर आर्चीबाल्ड कॉकरेन को गवर्नर नियुक्त
- भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थापना (1 अप्रैल 1935)

7. 1932 → देहरादून में भारतीय सैन्य अकादमी की स्थापना

8. लॉर्ड वेलिंगटन (बम्बई के गवर्नर) का 1915 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बम्बई अधिवेशन में उपस्थित

- अध्यक्षता → सर सत्येन्द्र प्रसन्न सिन्हा

लॉर्ड लिनलिथगो : 1936-1943

1. भारत में किसी भी वायसराय का सबसे लंबा कार्यकाल (लगभग 8 वर्ष)

- सबसे लंबा कार्यकाल (बंगाल): वारेन हेस्टिंग्स (13 वर्ष)
- लॉर्ड डलहौजी (1848-1856)

2. चुनाव और द्वितीय विश्व युद्ध (1937-1939)

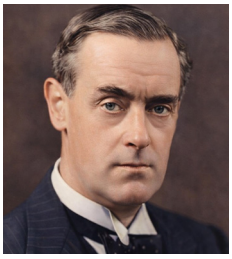

- प्रथम प्रांतीय चुनाव (1937) → भारत सरकार अधिनियम 1935 के तहत 11 प्रांतों में चुनाव हुए। इसमें कांग्रेस ने 8 प्रांतों में अपनी सरकार बनाई।
- 1 सितम्बर, 1939 → द्वितीय विश्वयुद्ध → परामर्श किए बिना ही भारत को युद्ध में शामिल
- कांग्रेस मंत्रिमंडलों का इस्तीफा और विरोध → 'न कोई भाई, न कोई पाई'
- मुस्लिम लीग ने 22 दिसंबर 1939 को 'मुक्ति दिवस' मनाया

3. त्रिपुरी अधिवेशन में सुभाष चंद्र बोस कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए और इस्तीफा

- 1 मई, 1939 में सुभाष चन्द्र बोस ने फारवर्ड ब्लॉक नाम की एक नयी पार्टी बनाई।

4. लाहौर अधिवेशन और 'पाकिस्तान' की मांग (मार्च 1940)

- प्रस्ताव का प्रारूप → सिकंदर हयात खान
- फजलुल हक ने प्रस्तुत किया
- खलीकुज्जमाँ ने समर्थन किया

5. अगस्त प्रस्ताव (August Offer - 8 अगस्त 1940)

- पहली बार भारत को 'डोमिनियन स्टेटस' देने और संविधान सभा के गठन की बात मानी गई।
- व्यक्तिगत सत्याग्रह (अक्टूबर 1940) → प्रथम सत्याग्रही विनोबा भावे और दूसरे सत्याग्रही जवाहरलाल नेहरू

6. क्रिप्स मिशन (मार्च 1942) → सर स्टैफोर्ड क्रिप्स के नेतृत्व में

- गांधीजी → "दिवालिया हो रहे बैंक का उत्तर-दिनांकित चेक"

7. भारत छोड़ो आंदोलन (8 अगस्त 1942) → बंबई के ग्वालिया टैंक मैदान (अगस्त क्रांति मैदान)

- 'ऑपरेशन जीरो आवर' → सभी बड़े नेताओं को गिरफ्तार
- बंगाल का भयंकर अकाल (1943)

लॉर्ड वेवेल : 1944-1947

1. सी. राजगोपालाचारी फॉर्मूला (1944) → कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच संवैधानिक गतिरोध को तोड़ने के लिए

2. वेवेल योजना और शिमला सम्मेलन (1945):

- 25 जून, 1945 → शिमला सम्मेलन में कांग्रेस प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व अबुल कलाम आजाद ने किया था। गाँधी जी ने सम्मेलन में भाग नहीं लिया, यद्यपि वे शिमला में उपस्थित रहे।
- 14 जुलाई, 1945 → सम्मेलन के विफलता की घोषणा

3. द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति (1945)

4. आजाद हिंद फौज पर मुकदमा (1945-46) → लाल किले में पी.के. सहगल, शाहनवाज खान और गुरबख्श सिंह ढिल्लों पर राजद्रोह का मुकदमा

5. शाही भारतीय नौसेना का विद्रोह (फरवरी 1946) → बॉम्बे में तलवार' जहाज के नाविकों ने खराब भोजन और नस्लीय भेदभाव के खिलाफ विद्रोह कर दिया।

6. सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया और सांप्रदायिक तनाव

- 1945 में बनी क्लीमेन्ट एटली की अध्यक्षता वाली लेबर पार्टी की सरकार
- दिसम्बर, 1945 → केन्द्रीय विधान सभा तथा प्रांतीय विधान मंडलों में काँग्रेस को पर्याप्त बहुमत मिला।

7. कैबिनेट मिशन (मार्च 1946) → पैथिक लॉरेंस, स्टैफोर्ड क्रिप्स और ए.वी. अलेक्जेंडर

- पाकिस्तान की मांग खारिज
- एक कमजोर केंद्र का प्रस्ताव रखा

8. अन्य तथ्य

- प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस - 16 अगस्त 1946 → मुस्लिम लीग
- कलकत्ता (कोलकाता) और नोआखली में सांप्रदायिक दंगे → "ग्रेट कलकत्ता किलिंग्स"
- सितंबर 1946 → जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया।
- संविधान सभा की पहली बैठक (9 दिसंबर 1946) : डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा की अस्थायी अध्यक्षता में पहली बैठक
- 20 फरवरी 1947 → प्रधानमंत्री लार्ड क्लीमेंट एटली (लेबर पार्टी) ने हाउस ऑफ कॉमंस में यह घोषणा की कि जून 1948 तक प्रभुसत्ता भारतीयों के हाथ में दे देंगे।

लॉर्ड माउण्टवेटन (24 March 1947 से June 1948)

1. ब्रिटिश भारत के अंतिम वायसराय और स्वतंत्र भारत के पहले गवर्नर-जनरल
2. स्वतंत्र भारत के प्रथम एवं अंतिम भारतीय गवर्नर-जेनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी हुए
3. माउंटबेटन योजना / 3 जून योजना
   - भारत को दो स्वतंत्र डोमिनियन—'भारत' और 'पाकिस्तान'—में विभाजित करने की रूपरेखा तय की गई थी।
4. भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947
   - 4 जुलाई, 1947 को एटली द्वारा प्रस्तुत
   - 18 जुलाई 1947 को स्वीकृति
   - 15 अगस्त 1947 को भारत पर ब्रिटिश संप्रभुता समाप्त कर दी गई।
   - रैडक्लिफ आयोग: भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा निर्धारण
5. अक्टूबर 1947 → कश्मीर का भारत में विलय और युद्ध
   - अक्टूबर 1947 में पाकिस्तानी कबायलियों के आक्रमण के बाद, कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने 26 अक्टूबर 1947 को भारत के साथ विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए।
6. 30 जनवरी 1948 → नाथूराम गोडसे द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या
7. भारत में मौजूद 560 से अधिक देसी रियासतों के एकीकरण का कार्य सरदार वल्लभभाई पटेल और वी.पी. मेनन का था